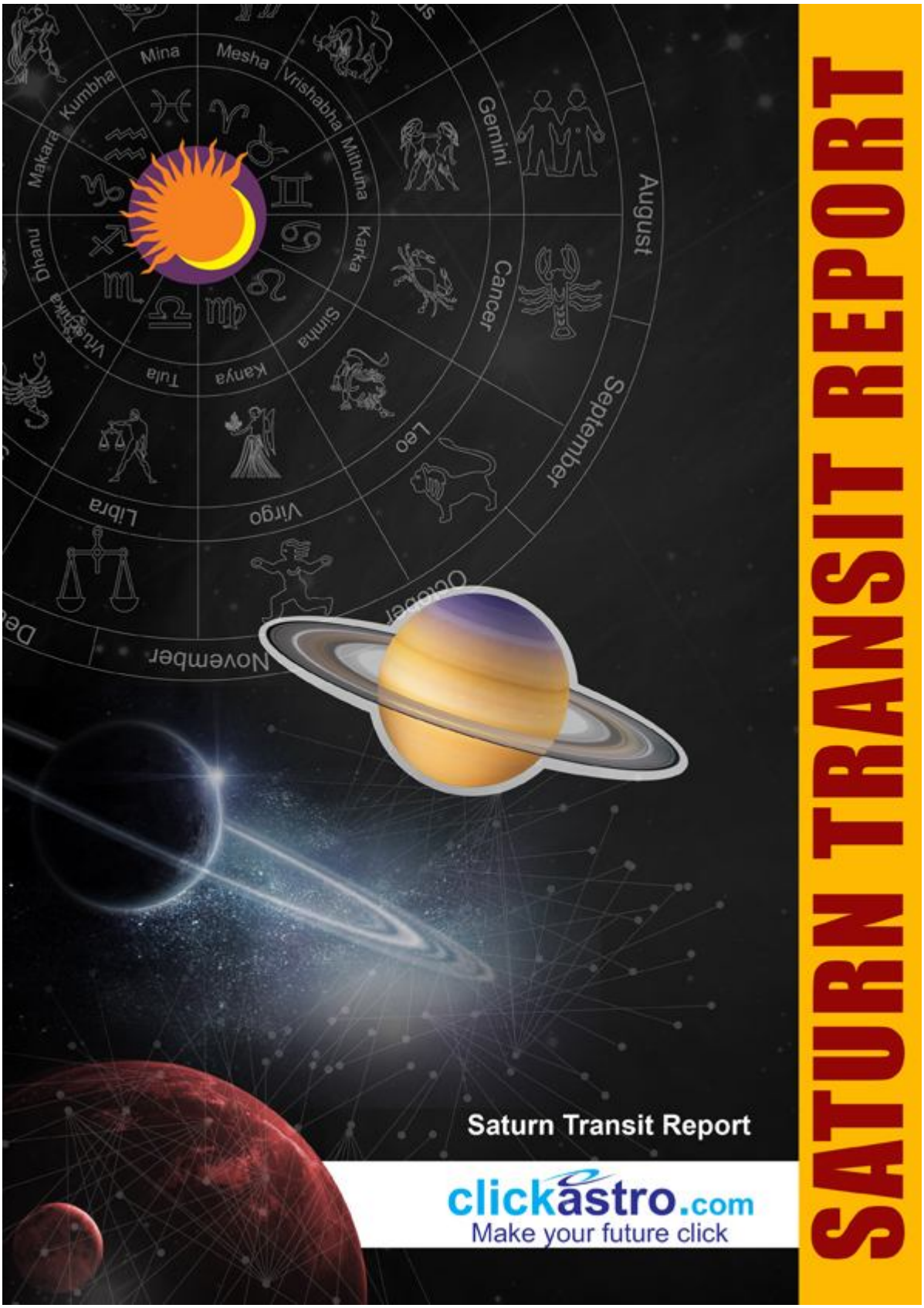
Mina
Mesha
Vrishabha
Mithuna
Karka
Simha
Kanya
Tula
Vrishchika
Dhanu
Makara
Kumbha
Gemini
Cancer
Leo
Virgo
Libra
August
September
November
SATURN TRANSIT REPORT
Saturn Transit Report
clickastro.com
Make your future click

ॐ

औं शनैश्चराय नमः

Saturn Transit Report
Sinto Placid

~~~~~~

चापासनो गृद्धरथः सुनीलः
प्रत्यङ्मुखः काश्यपगोत्रजातः
सशुलचापेषु महारथो व्यात्
सौराष्ट्रदेशप्रभवश्च सौरिः

~~~~~~

अधिपति शनी, जिसका मुख पश्चिमी दिशा मे है और वह डार्क रंगका है।
जो गिधपर सवार होता है और उसके हात में त्रिशूल और धनुष व तीर है।
कश्यप कुल के सौराष्ट्र में उसका जन्म हुआ है, वह सुर्य का पुत्र है और बहोत वीर है।
यह अधिपति हम सबका रक्षण करें।

नाम	: Sinto Placid
लिंग	: पुरुष
जन्म तिथि	: 5 जूलाई, 1992 रविवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec)	: 06:30:00 PM Standard Time
समय मेखल (Hrs.Mins)	: 05:30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
जन्म स्थल	: Delhi
रेखांश & अक्षांश (Deg.Mins)	: 77.13 पूरब , 28.40 उत्तर दिशा
अयनांश	: चित्रपक्ष = 23 डिग्रि. 45 मिनिट. 26 सेकेन्ड.
जन्म नक्षत्र - नक्षत्र पद	: **उत्तर फालगुनी** - 1
जन्म राशी - राशी का देव	: **सिंह** - रवि
लग्न - लग्न का देव	: धनु - गुरु
तिथि	: षष्ठि, शुक्लपक्ष
सूर्योदय	: 05:28 AM Standard Time
सूर्योस्त	: 07:23 PM " "
दिनामान (Hrs. Mins)	: 13.55
दिनामान (Nazhika.Vinazhika)	: 34.48
प्रादेशिक समय	: Standard Time - 21 Min.
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म तिथि	: रविवार
कलिदिना	: 1860343
दशा पद्धति	: विमशोत्तरी पद्धति, साल = 365.25 दिन
नक्षत्र का देव	: रवि
गणम्, योनी, जानवर	: मनुष्य, पुरुष, ऊँट
पक्षी, पेड	: कौआ, बरगद
चन्द्र अवस्था	: 3 / 12
चन्द्र वेला	: 8 / 36
चन्द्र क्रिया	: 13 / 60
ठगड़ा राशी	: मेष,सिंह
करण	: ग्रघभ
नित्ययोग	: वर्यन
सूर्य का राशी - नक्षत्र का स्थान	: मिथुन - आर्द्र
अनगदित्य का स्था	: पेट
Zodiac sign (Western System)	: Cancer
योगी पोयन्ट् - योगी नक्षत्र	: 322:47:4 - पूर्व भद्रपाढा
योगी गृह	: गुरु
द्वगुणति योगी	: शनि
अवयोगी नक्षत्र - गृह	: कृत्तिका - रवि
आत्म करक - करकांसा	: चन्द्र - धनु
अमत्य करक (मन / ज्ञानशक्ति)	: शुक्र
लग्न अरुढ़ा (पाठा) तनु	: मेष
धन अरुढ़ा	: मकर

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:
चित्रपक्ष = 23डिग्रि.45 मिनिट.26 सेकेन्ड.

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	248:20:40	धनु	8:20:40	मूल	3
चन्द्र	149:27:59	सिंह	29:27:59	उत्तर फालगुनी	1
रवि	79:59:4	मिथुन	19:59:4	आर्द्र	4
बुध	106:3:49	कर्क	16:3:49	पुष्य	4
शुक्र	85:59:28	मिथुन	25:59:28	पुर्नवासु	2
मंगल	21:24:27	मेष	21:24:27	भरणी	3
गुरु	136:40:55	सिंह	16:40:55	पूर्व फालगुनी	2
शनि	293:37:11	मकर	23:37:11रितु	धनिष्ठ	1
राहु	246:10:17	धनु	6:10:17	मूल	2
केतु	66:10:17	मिथुन	6:10:17	मृगशिरा	4
गुलिक	235:10:59	वृशचिक	25:10:59	ज्येष्ठ	3

राशी

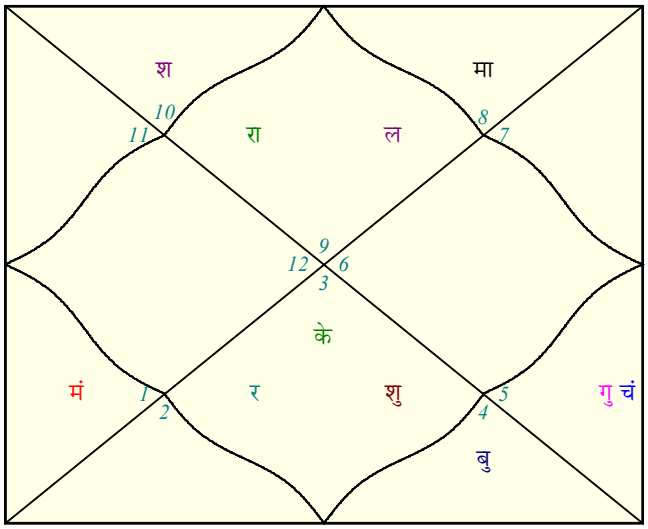

नवांश

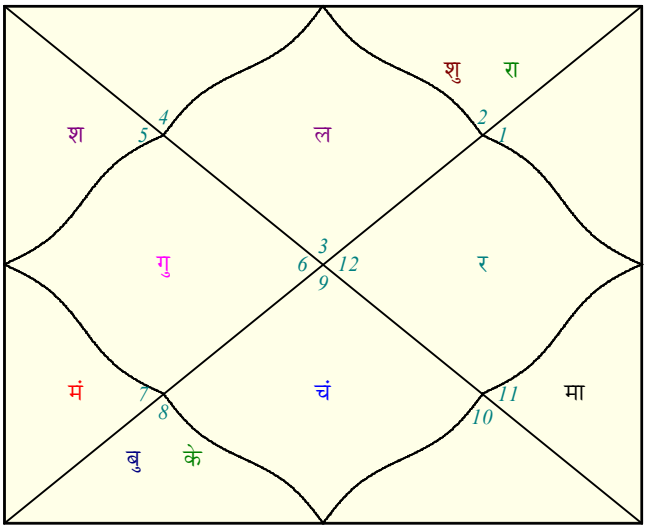

दशा और भुक्ती का विवरण काल

(साल = 365.25 दिन)

जन्म के समय दशा की समतुलना = रवि 4 साल, 8 महीने, 26 दिन

दशा	आरंभ	अन्तिम
र	05-07-1992	02-04-1997
चं	02-04-1997	02-04-2007
मं	02-04-2007	02-04-2014
रा	02-04-2014	01-04-2032
गु	01-04-2032	01-04-2048
श	01-04-2048	02-04-2067
बु	02-04-2067	01-04-2084
के	01-04-2084	20-03-2088

नीचे खीची गई रेखा, आपके आयुष्य को बताने वाली रेखा नही है।

गोचर स्थिति

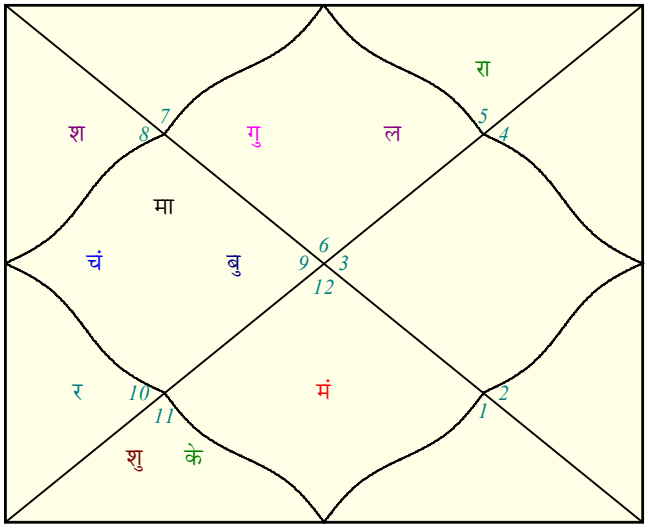

गोचर फल

जन्मस्थ ग्रहों की स्थिति एवं वर्तमान की उनकी गोचर परिस्थिति का सामूहिक अध्ययन करने के बाद, निकट के भविष्य को भलीभाँति जाना जा सकता है। इस विषय में सूर्य, गुरु और शनि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यद्यपि जन्म कुंडली के प्रमुख योगायोग, दशान्तर्दशा तथा वर्तमान में अन्यान्य ग्रहों का गोचर संचार नीचे लिखे फलों में न्यूनाधिक करने की क्षमता रखते हैं।

शनि का गोचर फल।

शनि का गोचर फल साधारण स्थिति में शनि से दुःखद अनुभव ही होता है। शनि के योग के कारण अस्वस्थ स्थिति उत्पन्न होती है। मन उद्वेग से भर उठता है। यह सब होते हुए भी कभी कभी अप्रतिक्षित मार्ग से शनि अनेक लाभ भी प्रदान करता है। हर राशि के मध्य शनि दो वर्ष तक स्थान ग्रहण करता है।

∇ (3-नवेम्बर-2014 >> 26-जानुवरी-2017)

इस समय शनि चौथा भाव का सक्रमण करेगा

इस ट्रान्झीट में, आपका परिवार और घर का चवथा स्थान कार्यरत रहेगा। आपने पारिवारीक मामलों की ओर जादा ध्यान देना होगा। पुरूष होते हुए, आपकी जिम्मेदारीयाँ बढ सकती है। कुछ स्थावर संपदा व्यवहार हो सकते है या घरका नुतनीकरण या स्थान बदल सकता है। माता-पिता की ओर आपकी चिंता और ध्यान जताने का यह अच्छा समय रहेगा। आप पारिवारीक समारोह में भी जा सकते हा। आपकी खुशी के बारे में सोचने का यह अच्छा समय है। आपने आपका स्वास्थ्य बरकरार रखने और सुधारने का प्रयास करना चाहिए। आपने आपके सहकारीयों से व्यवहार करते समय बहोत व्यवहारी रहना होगा। आपने कर्ज जैसी जिम्मेदारियाँ संभालने का प्रयास करना चाहिए। आपकी बॉस के साथ महत्वपूर्ण चर्चा होगी। काममें कुछ बदलाव भी दिखेंगे। कूल मिलाकर आप नये व्यक्ती में रूपांतरीत होगे। आप आपके काम से ज्यादा समाधान प्राप्त करेंगे। आपने आपका काम ज्यादा अच्छे ढंग से करने का प्रयास करना चाहिए। यह परिवर्तन का समय है। आपके भविष्य के लिए आप बहोत सारी योजना बनायेंगे। आप बहोत जगह पर जाते है इसलिए खुद को बदलने का प्रयास करना चाहिए।

जब शनि, कर्म का ग्रह, आपकी जन्म राशि से ४ थे, ७वें, और १०वें घर से होकर पारगमन करता है, तो उस चरण को कंटक शनि कहा जाता है। संभवतः यह बहुत खुशहाल समयावधि न हो। आपको परिकलित चरण उठाने पड़ सकते हैं।

शनि परिवार, घर, भौतिक अधिग्रहणों और सुविधाओं के ४थे घर से होकर पारगमन कर रहा है। यह पारगमन आपको अधिक परिपक्व बना सकता है।

आपको बहुत अधिक उत्तरदायित्व उठाने पड़ सकते हैं। आपका अपने अभिभावकों अथवा संबंधियों के साथ मुकाबला हो सकता है। आपके कुछ संबंधी विदेश भी जा सकते हैं। यह पारगमन बहुत कठिन नहीं हो सकता है, किंतु, आपको अपने भौतिक अधिग्रहणों के बारे में बहुत सावधान होना पड़ता है।

शनि चंद्रसे ८वे स्थान के माध्यमसे संक्रमण होता है तब अष्टम शनि रहता है। ८वा स्थान दुर स्थानके नामसे पहचाना जाता है। शनि जब इस स्थानसे जाता है, तब वह स्थान मुख्य स्थान बनता है और उसे ठिक करने हेतू आपको आवश्यक उपाय करने होगे। सामान्यरूपसे, इस कालको प्रतिकूल माना जाता है।

आपके कुंडलीनूसार, शनिकी वर्तमान स्थिती इस अवधि में अष्टम शनि दर्शाता है।

शनि किसी राशि से पारगमन करने के लिए लगभग ढाई साल लेता है। वह अवधि जब शनि जन्म राशि से १२ वें, पहिले और दुसरे घरों से होकर पारगमन करता है तो इसे ७१/२ शनि अथवा साढ़े साती कहा जाता है।
बारहवें प्रथम और द्वितीय घरों से होकर शनि पारगमन को साढ़े साती , अथवा ७१/ शनि कहा जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन चक्र के अनुसार साढ़े साती के कई चक्र हो सकते हैं।

आपके कुंडलीनूसार, इस अवधि में शनिका वर्तमान स्थान साडेसाती नही दर्शाता।

∇ (27-जानुवरी-2017 >> 21-जून-2017)

इस समय शनि पंचम भाव का सक्रमण करेगा

शनी पाँचवे स्थानके प्रकरणों सें परिवर्ती त होता है। आप बच्चो के पास जाने का प्रयास करेंगे। युवा वर्ग के साथ नजदिकी से कार्य करने का कुछ अवसर आपको प्राप्त हो सकते है। खुदके कार्य के बारे में सोचने का यह सही समय है। आप नयी हॉबी विकसित करने का प्रयास कर सकते है। खुदको समय देनेका यह सही समय है। आपका सामाजिक जिवन ठीक रखने का अवसर प्राप्त होगा। आपका कार्य क्षेत्र सुधारनेकी कुछ नयी योजना आप बना सकते है। आपके व्यवसाय सहयोग में ध्यान देने का यह सही समय है। ज्यादा समय के प्रोजेक्ट का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। आपको फायदा मिलने का आप प्रयास करेंगे। आपका कर्ज चुकाने का भी आप प्रयास करेंगे। आप नयी फायनान्शियल योजना का प्रयोग करेंगे। नये कौशल्य आप सिखेंगे। पुरूष होते हुए, इस ग्रुप कार्य से अलग होने जैसा आपको लगेगा। सामाजिक क्षेत्र में मिले महिलाओं से आपको बहोत ध्यान रखना होगा।

जब शनि, कर्म का ग्रह, आपकी जन्म राशि से ४ थे, ७वें, और १०वें घर से होकर पारगमन करता है, तो उस चरण को कंटक शनि कहा जाता है। संभवतः यह बहुत खुशहाल समयावधि न हो। आपको परिकलित चरण उठाने पड़ सकते हैं।

आपके कुंडलीनूसार, इस अवधि में शनिका वर्तमान स्थान कंडक शनि नही दर्शाता।

शनि चंद्रसे ८वे स्थान के माध्यमसे संक्रमण होता है तब अष्टम शनि रहता है। ८वा स्थान दुर स्थानके नामसे पहचाना जाता है। शनि जब इस स्थानसे जाता है, तब वह स्थान मुख्य स्थान बनता है और उसे ठिक करने हेतू आपको आवश्यक उपाय करने होगे। सामान्यरूपसे, इस कालको प्रतिकूल माना जाता है।

आपके कुंडलीनूसार, शनिकी वर्तमान स्थिती इस अवधि में अष्टम शनि दर्शाता है।

शनि किसी राशि से पारगमन करने के लिए लगभग ढाई साल लेता है। वह अवधि जब शनि जन्म राशि से १२ वें, पहिले और दुसरे घरों से होकर पारगमन करता है तो इसे ७१/२ शनि अथवा साढ़े साती कहा जाता है।
बारहवें प्रथम और द्वितीय घरों से होकर शनि पारगमन को साढ़े साती , अथवा ७१/ शनि कहा जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन चक्र के अनुसार साढ़े साती के कई चक्र हो सकते हैं।

आपके कुंडलीनूसार, इस अवधि में शनिका वर्तमान स्थान साडेसाती नही दर्शाता।

शनि का गोचर परिहार

शनिवार का व्रत

शनिवार का व्रत (व्रत) शनि ग्रह के अनिष्टकारी प्रभावों को शांत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ उपाय है। इन दुर्भाग्यशाली अवधियों पर शनिवार का व्रत करना हमेशा सलाहयोग्य है। यद्यपि, व्रत संपूर्ण दिन के लिए भोजन से बचने की अनुशंसा करता है, तथापि वो लोग सहन नहीं कर सकते हैं वे एक समय के भोजन के साथ इसे कर सकते हैं। भगवान शनि की प्रार्थनाएँ गाना और भगवान सस्ठ अथवा हनुमान के दर्शन करना भी इस व्रत में महत्वपूर्ण है। काले वस्त्र पहनने और शनिश्वर पूजा (भगवान शनि पूजा) करने की अनुशंसा की जाती है। शनिवार का व्रत करने वाले व्यक्ति को स्नान के पूर्व तेल मालिश से बचना चाहिए और केश काटने अथवा हजामत करने का कार्य नहीं करना चाहिए।

उपरोक्त वर्णित बातें शनिवार का व्रत करने के मुख्य नियम हैं। इनमें कुछ क्षेत्रीय मतभेद होंगे जिन्हें आप स्वीकार कर सकती हैं और सचेत जाँच से होकर पालन कर सकती हैं। आप किसी भी प्रथा का पालन करें, यह सब आपकी भक्ति के बारे में है। आप जितनी तल्लीन अथवा प्रतिबद्ध होती हैं, उतने ही बेहतर परिणाम प्राप्त करती हैं।

भगवान हनुमान की प्रार्थना न केवल शनि के हानिकारक प्रभावों को निकालती है बल्कि आपके शरीर और मस्तिष्क को भी फिर से सक्रिय करती है। इस प्रार्थना का रोज गुणगान करें अथवा कम से कम शनिवार सुबह और शाम को।

भगवान हनुमान की प्रार्थना

बालार्कययुथाथेजस्म त्रिभुवना -
प्रक्षोभकम सुंदरम
सुग्रीवाड़ी समस्थवानरागनई
समासेवयपादाअंबुजम
नादेनाइवा समस्थराक्षसागनान
संत्रासेयंथम प्रभुम
श्रीमद्रंपदंबुजसमूर्तिरथम
ध्यायामी वाथाथमजम

नीचे उपरोक्त प्रार्थना के अर्थ का वर्णन किया जा रहा है :-

मैं भगवान हनुमान की प्रार्थना करता हूँ जो तीनों संसार को नियंत्रित करते हैं और जिनमें हजारों सूर्यों का तेजा है। वह सुंदर हैं और सुग्रीव की वानर सेना के सेनापति हैं। वह भगवान श्रीराम के प्रति सर्वाधिक समर्पित हैं और उनमें ऐसी शक्ति है जो सभी दैत्यों के भय को नष्ट करती है।

Note:

This report is based on the data provided by you and the best possible research support we have received so far. We do not assume any responsibility for the accuracy or the effect of any decision that may be taken on the basis of this report.